✻ अंतिम यात्रा ✻

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित करने में आता है की पत्रकार राजपाल सिंह परिहार, भगवान सिंह परिहार एवं बृजपाल सिंह परिहार के दाता होकम

ठाकुर साहब श्री शंकर सिंह जी परिहार

ठिकाना कचनारा का स्वर्गवास दिनांक 24/09/24 को हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा

दिनांक 25/09/24 बुधवार

को निज निवास ठिकाना कचनारा रावले (कचनारा नाहरगढ़) से दोपहर 1 बजे निकलेंगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

परिहार परिवार (कचनारा नाहरगढ़)

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 337 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 25 सितम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

अवैध पिस्टल ले जाते तीन आरापियों को पुलिस ने दबोचा

तीन पिस्टल, पांच राउण्ड और कार जप्त

रतलाम, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने कार से रतलाम की ओर आ रहे तीन आरोपियों को दबोचकर उनके कब्जे से तीन अवैध पिस्टल और पांच जिंदा राउण्ड जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया है।

पुलिस कप्तान अमित कुमार ने बताया कि मुखबीर से इस आशय की सूचना मिली थी कि डेलनपुर तरफ से एक सफेद रंग की स्कोडा कार रतलाम की तरफ आ रही है। इस कार में सवार तीन व्यक्तियों के पास अवैध पिस्टल है। मुखबीर सूचना के आधार पर औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने सफेद रंग की स्कोडा कार को रोका और उसमें सवार तीनो व्यक्तियों की तलाशी ली गई। तलाशी में तीनो व्यक्तियों के पास एक-एक अवैध पिस्टल और कुल पांच जिन्दा राउण्ड बरामद हुए।

आरोपियों से पूछताछ करने पर उन्होने अपने नाम दानिश अली पिता जाकिर अली 25 वर्ष निवासी नयापुरा हाट रोड, जावेद उर्फ गोलू पिता नौशाद खान 33 वर्ष निवासी 16 शहर सराय और अहमद हुसैन पिता इस्माइल शाह फकीर 30 वर्ष निवासी ताल नाका जावरा बताया। तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके द्वारा प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली गई है। पुलिस द्वारा अवैध पिस्टल के सम्बन्ध में आरोपियों से पूछताछ की जा रही है कि वे पिस्टल कहां से और किस प्रयोजन से लाए थे? क्या वे किसी बड़े अपराध को अंजाम देने वाले थे। पुलिस आरोपियो की रिमाण्ड लेकर इन सब बातों की जांच करेगी। गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक रेकार्ड भी खंगाला जा रहा है।

नीमच पहुंचे रेलवे अधिकारी...

दोहरीकरण कार्य का किया निरीक्षण

दिसंबर तक ही तैयार हो पाएगा बड़ायला से जावरा तक दूसरा ट्रेक

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच से हर्कियाखाल का दोहरीकरण लगभग पूरा होने आया है। 12 किमी लंबे सेक्शन का इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। इसे जांचने के लिए मंगलवार को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (सीआरएस) आरसी शर्मा नीमच पहुंचे। रतलाम के बाद नीमच पहुंचे आरसी शर्मा ने स्थानीय और तकनिकी अधिकारियों से दोहरीकरण कार्य की जानकारी लेकर इलेक्ट्रिफिकेशन के अलावा ब्रिज और ट्रैक का निरीक्षण किया। उनके साथ रेलवे के अन्य अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

बता दे कि रविवार की रात सेक्शन में इंजन चलाकर इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य का ट्रायल हो किया गया था। पीआरओ खेमराज मीना ने बताया कि नीमच-हर्कियाखाल का दोहरीकरण लगभग पूर्ण हो चुका है। इधर बड़ायला से जावरा का दूसरा ट्रेक तैयार होने में दिसंबर तक का समय लगा सकता है।

पटरियां बिछी, अन्य काम बाकी...

रेलवे की तमाम कोशिशों के बावजूद रतलाम से नीमच के बीच डाले जा रहे दूसरे ब्रॉडगेज ट्रैक के काम में तेजी नहीं आ पा रही है। इसके चलते बड़ायला चौरासी से जावरा तक की दूसरी लाइन दिसंबर तक ही तैयार हो पाएगी। यहां पटरियां तो बिछ गई हैं। लेकिन, ओएचई, सिग्नल समेत अन्य कई काम बाकी है। इसमें कम से कम 2 महीने लगना तय है। 132 किमी लंबे रतलाम-नीमच सेक्शन में से अब तक सिर्फ घौंसवास से बड़ायला माताजी तक ही ट्रेन चल रही है। रतलाम से घौंसवास तक का हिस्सा बाकी है। इस मैदानी हकीकत के उलट रेलवे का दावा है कि दिसंबर तक जावरा नहीं ढोढर तक का ट्रैक बिछ जाएगा। बता दें कि डबलिंग का काम 3 हिस्सों में चल रहा है। इसमें 24.38 किमी लंबा रतलाम-बड़ायला चौरासी, 45.05 किमी लंबा बड़ायला चौरासी-दलौदा और 63.94 किमी लंबा दलौदा-नीमच का हिस्सा शामिल है। पूरे काम पर लगभग 1095.88 करोड़ रुपए का खर्चा आएगा।

अधिकारियों का ठेकेदार पर नहीं चल रहा जोर...

डबलिंग वर्क की सुस्त रफ्तार की प्रमुख वजह ठेकेदार कंपनी की लापरवाही है। लगातार सूचनाएं मिलने के बावजूद रेलवे के अधिकारी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। इसके चलते काम लगातार पिछड़ता जा रहा है। हालांकि भूमि अधिग्रहण, दलौदा-रतलाम तक का इंजीनियरिंग प्रिक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) टेंडर और शिवना मेजर ब्रिज की डिजाइन पास होने में देरी भी मुख्य वजह हैं। सेक्शन में 686 करोड़ के सिविल, 134 करोड़ के इलेक्ट्रिकल, 88.41 करोड़ से एसएंडटी और 4.3 करोड़ से मैकेनिकल का काम चल रहा है।

एमपी हाई कोर्ट का आदेश...

80 साल की उम्र में प्रवेश के साथ ही 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ दें

जबलपुर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। हाई कोर्ट ने वयोवृद्ध सेवानिवृत्त प्रोफेसर के हक में राहतकारी आदेश पारित किया है। न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि सेवानिवृत्त प्रोफेसर को 80 वर्ष में प्रवेश के साथ ही 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ प्रदान करें।

याचिकाकर्ता जयनगर जबलपुर निवासी डा. लक्ष्मी चंद जैन की ओर से अधिवक्ता आदित्य संघी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता शासकीय इंजीनियरिंग कालेज, जबलपुर में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ थे। 30 जून, 1998 को सेवानिवृत्त हुए थे। सरकार के नोटिफिकेशन के अनुसार 80 से 85 वर्ष के आयु के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन देने का प्रविधान है।

80 से 85 साल के बीच राशि प्रदान करने का उल्लेख...

सरकार द्वारा उन्हें 80 वर्ष पूर्ण करने के बाद 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ प्रदान किया गया। याचिकाकर्ता अपने जीवन काल के अंतिम चरण में है। अतिरिक्त पेंशन के लाभ के लिए 80 वर्ष की गणना उस तारीख से करना चाहिए, जिस तारीख को वह 79 साल पूर्ण कर 80 वर्ष की आयु में प्रवेश करता है। सरकारी नोटिफिकेशन में 20 प्रतिशत की राशि 80 से 85 साल के बीच प्रदान करने का उल्लेख किया गया है।

पेंशन का लाभ प्रदान करने का आदेश पारित...

याचिकाकर्ता 79 वर्ष पूर्ण करने के बाद 80 वर्ष में प्रवेश कर गया था। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के तर्क तथा सरकारी नोटिफिकेशन को देखते हुए याचिकाकर्ता को 80 साल में प्रवेश के साथ 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन का लाभ प्रदान करने का आदेश पारित कर दिया। याचिका में प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, वित्त अधिकारी ट्रेजरी विभाग व संबंधित बैंक को अनावेदक बनाया गया था।

मप्र कैबिनेट बैठक में सोयाबीन खरीद नीति को मंजूरी

भोपाल, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में सोयाबीन उपार्जन की नीति को मंजूरी दी गई। 25 सितंबर से

उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन शुरू होगा। 25 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक न्यूनतम समर्थन मूल्य 4892 रुपये प्रति क्विंटल की दर से पंजीकृत किसानों से उपार्जन किया जाएगा। इसके लिए मार्कफेड को शासन की गारंटी पर लेने की अनुमति भी दी गई। बैठक में नवीन विधायक विश्रामगृह बनाने का निर्णय भी दिया गया। 102 फ्लैट बनाए जाएंगे। ये पारिवारिक खंड एक और शापिंग कंपलेक्स को तोड़कर बताए जाएंगे। इससे हरियाली को भी कोई क्षति नहीं होगी।

प्रदेश में इस वर्ष 55 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन का उत्पादन संभावित है– प्राइस सपोर्ट स्कीम में 13.68 लाख मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके ऊपर जो भी खरीदी होगी, उसका भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। सेंट्रल पूल में सोयाबीन देने के बाद जो उपज बेचेगी, उसे खुले .... **शेष पेज 4 पर**

अतिक्रमण हटाया अथवा औचारिकता की

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अतिक्रमण हटाने के नाम पर औचारिकता का खेल लंबे समय से चल रहा है। मंगलवार को भी नगरपालिका का अमला अतिक्रमण हटाने बड़े अस्पताल के बाहर पहुंचा। यहां नारियल के ठेले वालों को सड़क से अंदर किया। इसके अलावा कुछ वाहनों को हटाया। अस्पताल के बाहर से कुछ अस्थायी अतिक्रमण हटाकर औपचारिकता निभाई गई।

खास बात यह है कि बड़े अस्पताल के सामने दशपुर कुंज के बाहर अधिकारियों और कर्मचारियों की नजर नहीं पहुंची। दशपुर कुंज के बाहर व्यापारियों के ठेले सड़क तक पहुंच गए है। इसके अलावा लोगों के बैठने के लिए तैयार की गई सीमेंट की कुर्सियों पर व्यापारियों का सामान रखा है तो उनके ग्राहकों के बैठने के लिए कुर्सियों पर ही व्यापारियों ने अधिकार जमा लिया है।

जनप्रतिनिधियो और अधिकारियो ने अतिक्रमण हटाने के नाम पर यह नौटंकी क्यों की, यह भी किसी को समझ नहीं आ पा रहा है। वैसे देखा जाए तो पूरा शहर की अतिक्रमणकारियो की जद में है। लेकिन, कम से कम बीपीएल चौराहे से लेकर उधमसिंह चौराहा और गांधी चौराहा होते हुए बस स्टेंण्ड तथा घंटाघर और सदर बाजार से अस्थाई अतिक्रमण हटाया जाना बेहद जरूरी है। लेकिन, इस और किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। आमजन से यही अपील है कि देखें, आखिर कब नपा या जिला प्रशासन का ध्यान इस ओर जाता है?

अस्पताल के बाहर हटाया, सामने का नहीं दिखा

ऐसे भी बन गए वीसी, जो कभी प्रोफेसर ही नहीं रहे..!

भोपाल, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की 53 में से 32 निजी यूनिवर्सिटी में कुलगुरु (वीसी) की नियुक्ति मानकों के अनुसार नहीं है। इसमें मंदसौर यूनिवर्सिटी भी शामिल है। मध्यप्रदेश निजी विश्व विद्यालय विनियामक आयोग के अनुसार, इनकी तैनाती मनमाने ढंग से की गई है। इनके पास बतौर प्रोफेसर 10 साल का अनुभव नहीं है। इसके लिए इनके पास स्पष्टप्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज नहीं मिले, जिससे अनुभव सिद्ध हो सके। कुछ ऐसे भी हैं, जो प्रोफेसर ही नहीं हैं। अब आयोग ने इन्हें तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं।

इन यूनिवर्सिटीज में भोपाल व इंदौर की 8-8 यूनिवर्सिटीज शामिल हैं। इसके अलावा सीहोर की 3, ग्वालियर की 2, विदिशा, रायसेन, सतना, खंडवा, शिवपुरी, दमोह, छिंदवाड़ा, मंदसौर, बालाघाट, सागर की निजी यूनिवर्सिटी के कुलगुरु भी निर्धारित योग्यता पूरी नहीं करते। आयोग ने पहली बार इतनी बड़ी कार्रवाई की है। पिछले दिनों उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने इस बारे में पूछताछ की थी।

इनका कहना...

यूजीसी मापदंडों का पालन नहीं करने वाले निजी विश्वविद्यालयो के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कुलगुरु की नियुक्ति के लिए 15 दिन में कार्रवाई के लिए कहा गया है। कुलगुरु सहित अन्य प्रशासनिक और अकादमिक पदों पर निर्धारित मापदंड अनुसार नियुक्ति करना सभी के लिए आवश्यक है।

प्रो. भरत शरण सिंह, चेयरमैन, मप्र निजी विवि विनियामक आयोग भोपाल

सोना हुआ 76 हजारी, अब तक का सबसे ज्यादा दाम

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को सोने ने हाई जंप लगाते हुए अब तक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सोने के दाम 76 हजार 200 रुपए तक पहुंच गए। जबकि, बजट के पहले सबसे हाई रेट 75 हजार 500 को छूकर सोना नीचे आया था। इसके बाद कुछ समय लगभग स्थिर रहा। फिर दाम बढ़ते गए। मंगलवार को सोने में 700 रुपए प्रति 10 ग्राम का उछाल आया।

सोमवार को सोने के दाम 75 हजार 700 रुपए प्रति 10 ग्राम थे। इसी तरह चांदी मंगलवार को 86 हजार 200 रुपए प्रतिकिलो रही। सोने में तेजी का दौर जारी है। अब तक चांदी में निवेशकों की ज्यादा रुचि होती थी। लेकिन, कुछ सालों में सोने ने भी खासा रिटर्न दिया। यह सिलसिला लगातार जारी है।

बजट के बाद 05 हजार नीचे आया था सोना...

जुलाई में केंद्रीय बजट पेश किया गया था। उसके पहले सोने के भाव लगातार बढ़ रहे थे। लेकिन, बजट पेश होने के अगले ही दिन सोने के भाव में 05 हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट हुई थी। इसके बाद भाव 71-72 के बीच झूल रहे थे। कुछ समय बाद सोने ने फिर से गेयर बदला। मंगलवार को रिकॉर्ड स्तर पर सोने के दाम पहुंच गए।

बजट के पहले पहुंचा था 75 हजार 500 तक...

बजट के एक दिन पहले सोना सर्वाधिक भाव 75 हजार 500 रुपए प्रति 10 ग्राम रहे, जो रिकॉर्ड भाव थे। बजट पेश होते ही सोने में जोरदार गिरावट दर्ज की गई। चांदी की भी यही स्थिति रही। जहां चांदी बजट के पहले सर्वाधिक भाव तक पहुंच गई थी। वहीं बजट के बाद 10 हजार रुपए प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई। बता दे कि चांदी का सर्वाधिक भाव 90 हजार रुपए प्रतिकिलो पहुंच गया था। हालांकि वर्तमान में जहां सोना अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर आगे निकल गया है। वहीं चांदी फिलहाल अपने रिकॉर्ड भाव से काफी पिछे हैं।

सुरक्षा उपकरण नहीं, पांच सौ से ज्यादा कर्मचारी रोज मौत से भिड़ते...

हाथों में दस्ताने नहीं, सिर पर हेलमेट की जरूरत

खुद की सुरक्षा की परवाह छोड़ करते है जिले को रोशन

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। विद्युत संचारण एवं संधारण कंपनी शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखने वाले अंचल के करीब 500 से अधिक लाइनमेन, विद्युत कर्मियों, कर्मचारियों की जान से खिलवाड़ कर रही है। विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने, फॉल्ट ठीक करने सहित अन्य कार्यों के लिए तैनात विद्युत कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण तक नहीं दिए जा रहे हैं। फॉल्ट होने या अन्य खराबी होने पर डीपियों व बिजली के खंभे पर चढ़कर कार्य करने वाले कर्मचारी जान का जोखिम उठा रहे हैं। बिना सुरक्षा उपकरणों के खंभों पर चढ़ने के कारण अब तक कई हादसे भी हो चुके हैं। बावजूद अधिकारी सुरक्षा उपकरणों के प्रति लापरवाह बने हुए हैं।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में लाइनमेन और अन्य स्टाफ कमी के चलते काम के बोझ के बावजूद लाइनमेन सहित लगभग 500 से अधिक कर्मचारी ही पूरी व्यवस्था संभाल रहे हैं। जिले को रोशन करने रखने वाले इन कर्मचारियों को रोज मौत से भिड़ना पड़ रहा है। खंभे पर चढ़कर बिजली सुधारने में लगे कर्मचारियों की जान-जोखिम में ही रहती है। सुरक्षा प्रबंधन के साधन नहीं मिल रहे हैं। खंभे पर चढ़कर काम करने वाले कर्मचारियों के पास न तो हैंड ग्लव्ज हैं और न ही हेलमेट। इसके अलावा अन्य सुरक्षा उपकरण भी नहीं है। कु छ कर्मचारी ही बताते हैं कि कई बार सुरक्षा उपकरण भी नहीं है। लेकिन, जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार ध्यान नहीं देते है। बिजली के सुधार कार्य के दौरान स्वयं और साथ में मौजूद ठेकेदार के कर्मचारियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना पड़ रहा है। जिले में लगभग 250 लाइन कर्मचारी है, इसकेसाथ ही लगभग 300 से अधिक ठेकेदार के कर्मचारी है।

विद्युत कर्मचारियों के पास होने चाहिए यह उपकरण...

नियमानुसार कर्मचारियों के पास फॉल्ट को सही करने के समय सेफ्टी बेल्ट, रस्सा, अर्थिंग चेन, जूते और दस्ताने जरूरी हैं। जबकि, ग्रामीण क्षेत्र के उपकेंद्रों पर सीढ़ी भी उपलब्ध नहीं है। कर्मचारियों के पास न तो अव्वल दर्जे के प्लास हैं और न ही सेफ्टी बेल्ट, रस्सा और सीढ़ी। ऐसे में उन्हें फॉल्ट ठीक करने में भी परेशानी होती है। मेंटेनेंस के दौरान कुछ कर्मचारियों ने बताया कि सुरक्षा उपकरण की मांग तो हमने कई बार की है। लेकिन, उपकरण नहीं दिए जाते है। काम करते समय हम सतर्क रहते हैं।

काम बढ़ा, कर्मचारी नहीं...

विद्युत व्यवस्था को हाईटेक करने के लिए ऑनलाइन शिकायत सुनने, निवारण करने, फोटो रीडिंग के साथ ही कई नई व्यवस्थाएं शुरू की गई हैं। 10 किमी दूरी पर रहने वाले फीडर भी अब 05-05 किलोमीटर की दूरी पर कर दिए हैं। लेकिन, स्टाफ नहीं बढ़ा है। इस कारण नियमित कर्मचारियों को अधिक काम करना पड़ रहा है। रात में फॉल्ट होने पर कई बार तो कर्मचारी भी समय पर पहुंच ही नहीं पाते हैं। स्टाफ की कमी के कारण आवश्यक साधन ले जाने में भी परेशानी होती है।

हादसों के बाद भी अधिकारी गंभीर नहीं...

विद्युत कर्मचारी प्रतिदिन किन्हीं कारणों से खराब हो चुकी बिजली को सुचारु करने के लिए बिजली के तारों की मरम्मत करते हैं। इन कर्मचारियों के पास कोई भी सुरक्षा उपकरण नहीं होते। कई बार बिजली सुधार कार्य के दौरान कर्मचारियों की मौत भी हो चुकी है। बिजली कर्मचारियों के झुलसने की भी अनेकों घटनाएं घटित हो चुकी हैं। लेकि न इन घटनाओं को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

विचार-मंथन

बुढ़ापे का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनाने की सराहनीय पहल

केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान भारत' योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य कदम है। अपने देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार के छह करोड़ बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। इस योजना से हम एक ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सकेंगे। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी जनकल्याणकारी सरकार को साधुवाद दिया जाना चाहिए। पारिवारिक एवं सामाजिक घोर उपेक्षा एवं उदासीनता के कारण बुढ़ापा अपने आप में एक रोग ही बनता गया है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की नयी पहल का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हुआ तो यह फैसला इस आयुवर्ग के बुजुर्गों की सेहत को लेकर सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही थी क्योंकि आने वाले बीस वर्ष में भारत की बुजुर्ग आबादी तीन गुना होने की संभावना है। नये भारत-विकसित भारत की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण एवं उचित स्वास्थ्य-सेवाओं को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर तो काला दाग है ही, शासन-व्यवस्थाओं के लिये भी लज्जाजनक है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने एवं उनके स्वास्थ्य विषयक खर्चों एवं चिन्ताओं को दूर करने के लिये केन्द्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया है, वह सराहनीय एवं प्रासंगिक निर्णय है। इस फैसले की जरूरत इसलिए थी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा के मामले में भारत बहुत पीछे है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस-नहस एवं असंतुलित कर देती है। सरकार का मौजूदा कदम कई परिवारों को ऐसे आर्थिक दुष्चक्र में फंसने से बचा सकता है। भारत में इलाज दिनों-दिन महंगा होता जा रहा है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अक्सर भारत में कर्मचारी व आम लोग सोचते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है।

सिर्फ कानून बनाने से नहीं रुकेंगे महिला अपराध

योगेन्द्र योगी

देश के नेताओं ने समस्याओं का आसान रास्ता तलाश कर रखा है। जब भी किसी समस्या से सामना हो तो कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लो। समस्या की जड़ तक कोई भी राजनीतिक दल और सरकारें नहीं जाना चाहती। ऐसा नहीं है कि समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, किन्तु वहां तक पहुंचने और व्यवहारिक समाधान ढूंढने में पापड़ बेलने पड़ते हैं। पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या के मामले में वही किया है जो अब तक ऐसे मामलों में दूसरे राज्य या केंद्र सरकार करती रही हैं। मसलन कानून बना कर जिम्मेदारी पूरी कर ली। ममता सरकार ने विधानसभा में बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित कर दिया। विधेयक के मसौदे में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024% शीर्षक वाले इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिये महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनसे पास होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए जाएगा। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश दिशा विधेयक और 2020 में महाराष्ट्र शक्ति विधेयक विधानसभा से पारित हुआ था। इन दोनों विधेयकों में बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के सभी तरह के मामलों में अनिवार्य फांसी का प्रावधान किया गया था। इन दोनों विधेयकों को राज्य विधानसभाओं ने सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन दोनों विधेयकों अभी तक राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के साथ-साथ 2012 के पोक्सो अधिनियम के कुछ हिस्सों में संशोधन करने और पीड़िता की उम्र चाहे जो हो, कई तरह के यौन उत्पीड़न के मामलों में मौत की सजा का प्रावधान है। इस बिल में महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराध के लिए कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। बीते महीने लागू हुए बीएनएस की धारा-64 में बलात्कार के लिए 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। वहीं बीएनएस की धारा-66 में बलात्कार और हत्या और ऐसे बलात्कार, जिनमें पीड़ित निष्क्रिय हो जाती है, उनमें मौत की सजा का प्रावधान है। इसमें 20 साल की जेल की या उम्र कैद की सजा का भी प्रावधान किया गया है। गौरतलब है कि निर्भया कांड के बाद कानून को बहुत सख्त कर दिया गया था। रेप की परिभाषा भी बदल दी थी, ताकि महिलाओं के खिलाफ अपराध में कमी लाई जा सके। पहले जबरदस्ती या असहमति से बनाए गए संबंधों को ही रेप के दायरे में लाया जाता था। लेकिन इसके बाद 2013 में कानून में संशोधन कर इसका दायरा बढ़ाया गया। इतना ही नहीं, जुवेनाइल कानून में संशोधन किया गया था। इसके बाद अगर कोई 16 साल और 18 साल से कम उम्र का कोई किशोर जघन्य अपराध करता है तो उसके साथ वयस्क की तरह ही बर्ताव किया जाएगा। हालांकि, इन सबके बावजूद सुधार नहीं हुआ है। निर्भया कांड (2012) के बाद भारत में कई चर्चित बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक 17 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या की घटना सामने आई। उत्तर प्रदेश के ही हाथरस जिले में एक 19 वर्षीय दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और अत्यंत बर्बरता की गई। पीड़िता की मृत्यु के बाद, उसके शव को परिवार की अनुमति के बिना रात के समय दफनाया गया। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में एक महिला के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई। पीड़िता की शिकायत के बावजूद, पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिससे व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। हैदराबाद में एक महिला वेटरनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने व्यापक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। अपराधियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने कार्रवाई की, और बाद में आरोपी एनकाउंटर में मारे गए, जिसने विवाद और बहस को जन्म दिया। मणिपुर में एक महिला के साथ बलात्कार और हत्या की घटना ने हाल ही में बहुत ध्यान खींचा। इस मामले ने स्थानीय हिंसा और सामाजिक अस्थिरता को भी उजागर किया। साल 2013 में केंद्र सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए निर्भया फंड बनाया, जिसका मकसद राज्यों को महिलाओं की सुरक्षा को पुख्ता करना था। मगर, इसका अभी पूरी तरह से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड की 9 हजार करोड़ रुपये की धनराशि का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा भी सही से इस्तेमाल नहीं हो पाया है। निर्भया फंड बनने से लेकर 2021-22 तक, कोष के तहत कुल आवंटन 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है, जिसमें से 4,200 करोड़ रुपये का ही अब तक इस्तेमाल हो पाया है। गौरतलब है कि भारत में हर घंटे 3 महिलाएं रेप का शिकार होती हैं, यानी हर 20 मिनट में बलात्कार की एक घटना। देश में रेप के मामलों में 96 प्रतिशत से ज्यादा आरोपी महिला को जानने वाले होते हैं। रेप के मामलों में 100 में से 27 आरोपियों को ही सजा होती है, बाकी बरी हो जाते हैं। ये तीन आंकड़े बताते हैं कि सख्त कानून होने के बावजूद हमारे देश में रेप के मामलों में न तो कमी आ रही है और न ही सजा की दर यानी कन्विक्शन रेट बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की एजेंसी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि भारत में सालभर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के चार लाख से ज्यादा अपराध दर्ज किए जाते हैं। इन अपराधों में सिर्फ रेप ही नहीं, बल्कि छेड़छाड़, दहेज हत्या, किडनैपिंग, ट्रैफिकिंग, एसिड अटैक जैसे अपराध भी शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2012 से पहले हर साल रेप के औसतन 25 हजार मामले दर्ज किए जाते थे।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर भ्रांति फैलाना देशहित में नहीं

बात वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर अखिलेश के बिगड़े बोलों की कि जाये तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछ रहे हैं, 'अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे। समाजवादी पार्टी का वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लट्ठा जैसा है। ऐसा लगता है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को वन नेशन वन इलेक्शन में खामियां निकालने के लिये कोई गंभीर मुद्दा नहीं मिल रहा है। वन नेशन, वन इलेक्शन के खिलाफ अखिलेश की बयानबाजी हवा हवाई से अधिक कुछ नहीं हैं। वह किसी भी तरह से जनता में भ्रम पैदा करना चाहते हैं। इसी लिये वह बेतुके संदेह व्यक्त कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि अखिलेश इस बिल का इस लिये विरोध कर रहे हैं क्योंकि वन नेशन वन इलेक्शन मोदी सरकार की मंशा है। अखिलेश की मंशा सियासी है इसलिये उनकी पार्टी में भी इसको लेकर फूट नजर आ रही है। अखिलेश से इतर समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने वन नेशन वन इलेक्शन का खुलकर समर्थन किया है। यह और बात है कि पार्टी ने रविदास मेहरोत्रा के बयान को उनकी निजी राय बता कर पल्ला झाड़ लिया है। बात वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर अखिलेश के बिगड़े बोलों की कि जाये तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछ रहे हैं, 'अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे। यदि अखिलेश रिपोर्ट पढ़ लेते तो उन्हें मालूम रहता कि पहले चरण में लोकसभा व देश के सभी विधान सभाओं और दूसरे चरण में 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की सिफारिश की गई है। अखिलेश पूछ रहे हैं कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर क्या जनता की चुनी सरकार को वापस आने के लिए अगले आम चुनावों तक का इंतज़ार करना पड़ेगा या फिर पूरे देश में फिर से चुनाव होगा?इसको लेकर भी रिपोर्ट में साफ-साफ कहा गया है कि अगर किसी विधान सभा का चुनाव अपरिहार्य कारणों से एक साथ नहीं हो पाता है तो बाद की तिथि में होगा,लेकिन कार्यकाल उसी दिन समाप्त होगा जिस दिन लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होगा। यदि किसी राज्य की विधान सभा बीच में भंग हो जाती है,तो नया चुनाव विधानसभा के बाकी के कार्यकाल के लिये ही कराया जायेगा। अखिलेश पूछ रहे हैं वन नेशन वन इलेक्शन योजना चुनावों का निजीकरण करके परिणाम बदलने की तो नहीं है? ऐसी आशंका इसलिए जन्म ले रही है क्योंकि कल को सरकार ये कहेगी कि इतने बड़े स्तर पर चुनाव कराने के लिए उसके पास मानवीय व अन्य जरूरी संसाधन ही नहीं है, इसीलिए हम चुनाव कराने का काम भी (अपने लोगों को) ठेके पर दे रहे हैं। यह भी हास्यास्पद है। ऐसा नहीं है कि कभी लोकसभा और विधान सभा के चुनाव साथ हुए ही नहीं हैं। 1951 से 1967 तक चुनाव एक साथ होते थे। उसके बाद में 1999 में लॉ कमिशन ने अपनी रिपोर्ट में ये सिफ़ारिश की थी देश में चुनाव एक साथ होने चाहिए, जिससे देश में विकास कार्य चलते रहें। वन नेशन, वन इलेक्शन कोई आज की बात नहीं है. इसकी कोशिश 1983 से ही शुरू हो गई थी और तब इंदिरा गांधी ने इसे अस्वीकार कर दिया था। ये कहा जा रहा है कि एक साथ चुनाव कराए जाने का अंततः सबसे अधिक फ़ायदा बीजेपी और कांग्रेस जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों को होगा और छोटी पार्टियों के लिए एक साथ कई राज्यों में स्थानीय और लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान चलाना कठिन हो सकता है।

फूटकर विक्रेताओं की समस्याओं पर विधायक ने लिया संज्ञान...

पूर्व व्यवस्थानुसार 10 रू. शुल्क लिये जाने हेतु कलेक्टर को लिखा पत्र

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जागरूक विधायक श्री विपिन जैन ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर मंदसौर के थैलागाडी, सब्जी, फल फ्रूट, फूटकर विक्रेताओ से पूर्व व्यवस्था अनुसार 10 रूपए का शुल्क किये जाने का अनुरोध किया है।

मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि विधायक श्री विपिन जैन को मंदसौर शहर के समस्त फूटकर विक्रेताओ द्वारा ज्ञापन प्रस्तुत कर बताया गया था कि विगत माह से नगर पालिका मंदसौर द्वारा उनसे 10 रूपए प्रतिदिन के हिसाब से न लेते हुए इसके बदले एक मुश्त छः माह की राशि 1800 /- रूपए वसूल रही है जिसके कारण फूटकर विक्रेताओ को काफी आर्थिक समस्याओ का सामना करना पड रहा है उनके द्वारा यह भी बताया गया है कि अधिकांश फूटकर विक्रेता प्रतिदिन गाडी नही लगाते है और एकमुश्त राशि जमा कराने में असमर्थ है। उनके द्वारा पूर्व व्यवस्था अनुसार ही 10 रूपए प्रतिदिन के हिसाब से देने का आग्रह किया गया है। उनकी समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेकर जागरूक विधायक श्री विपिन जैन ने कलेक्टर को पत्र लिख कर कहा कि विगत दिनों मंदसौर शहर के थैलागाडी, सब्जी, फल फ्रूट, फूटकर विक्रेताओं से प्रतिदिन नगर पालिका मंदसौर द्वारा 10 रूपए प्रतिदिन के हिसाब से पर्ची काटी जाती थी जिसकी अदायगी विक्रेताओ द्वारा आसानी से बिना किसी तनाव के की जाती थी। अत: मंदसौर शहर के समस्त थैलागाडी, सब्जी, फल फ्रूट, फूट कर विक्रेताओ से पूर्व व्यवस्था अनुसार ही 10 रूपए प्रतिदिन के हिसाब से राशि लिये जाने के संबंध मे आवश्यक कार्यवाही करे ताकि विक्रेताओ पर आर्थिक बोझ न पडे और वह आसानी से नगर पालिका मे शुल्क जमा करा सके। विधायक श्री जैन ने इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भी आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया है।

जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान 82 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन एवं अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवालने सुशासन भवन सभाकक्ष में ग्रामीण जनों की समस्याएं सुनी। प्रति मंगलवार की तरह जिला कलेक्ट्रेट (सुशासन भवन) में साप्ताहिक जनुसनवाई कार्यक्रम आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिले भर से आए 82 आवेदकों की समस्याएं सुनी। सीईओ श्री जैन ने अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के अधिकारियों को निर्देश दिये। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपनी समस्या/ शिकायत/ मांग/ आर्थिक सहायता संबंधी आवेदन दिये। जनसुनवाई में दौरान वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी आवेदकों से आवेदन पत्र प्राप्त कर उन पर समुचित कार्यवाही के लिये विभाग प्रमुखों की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। जिनके निवारण हेतु संबंधित विभागाधिकारियों को निर्देश दिये।

मारवाड़ी युवा मंच महिला शाखा द्वारा संझा बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन कल

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मालवांचल की लोक संस्कृति को पुन: जीवित करने हेतु अखिल भारतीय मारवाडी युवा मंच महिला शाखा मंदसौर के तत्वाधान में संझा बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन 26 सितंबर गुरुवार को दोपहर 2:00 बजे से कुमावत धर्मशाला श्री रामदेव जी मंदिर के पास नरसिंहपुरा रोड मंदसौर पर रखा गया है।

इस आशय की जानकारी देते हुए महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी अनिल अग्रवाल ,सचिव श्रीमती किरण गणेश सोनगरा, कोषाध्यक्ष श्रीमती वंदना नरेंद्र त्रिवेदी, प्रोजेक्ट चेयरमैन मेजर उषा कुमावत, श्रीमती विद्या संजय दोषी, श्रीमती संगीता सुनील भदानिया ने बताया कि विलुप्त होती जारी हमारी भारतीय संस्कृति को सहेजने के उद्देश्य को लेकर मारवाडी युवा मंच द्वारा संझा बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कार्यक्रम स्थल पर गोबर से संझा बनानी होगी गोबर की व्यवस्था प्रतियोगी को ही करना होगी। संझा बनाने हेतु 1 घंटे का निर्धारित समय रखा गया है,और निर्णायक मंडल द्वारा श्रेष्ठ संझा बनाने वाली मातृशक्ति ओर युवतियों को प्रथम ,द्वितीयं, तृतीय पुरस्कार दिए जाएंगे तथा शेष सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

25 सितम्बर 2024 - पं.दीनदयाल उपाध्याय जयंती....

समाज के अंतिम व्यक्ति का चिंतन और राष्ट्रीय स्वाभिमान का दर्शन है एकात्म मानववाद

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। अजातशत्रु पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का स्मरण करते ही जो व्यक्तित्व हमारे मानस पटल पर उभरकर आता है उससे हमेशा प्रेरणा ग्रहण करने की इच्छा होती है। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय संस्कृति और समाज को आधार बनाते हुए राष्ट्र के विकास और अर्थव्यवस्था के समाज हित में संचालन हेतु एक समग्र और पृथक दर्शन प्रस्तुत किया जिसे एकात्म मानववाद के नाम से जाना जाता है। भारतीय दर्शन पर आधारित इस विचार को स्पष्टकरते हुए उन्होने कहा था कि अंग्रेजों के शासनकाल में देश में जितने भी आंदोलन चले उन सबका केवल एक ही लक्ष्य था कि अंग्रेजों को हटाकर भारत स्वतंत्र हो और हम स्वराज प्राप्त करें लेकिन इस स्वराज्य की प्राप्ति के बाद देश के आगे बढने की दिशा क्या होगी? हम किस रास्ते पर आगे बढेंगे? इसका विचार तात्कालीन नेतृत्व ने नहीं किया।

पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्म एक अत्यंत ही साधारण परिवार में हुआ था। अपने जीवन में दीनदयाल जी ने जितना संघर्ष देखा और सहन किया उसके बारे में पढते समय सामान्य व्यक्ति का दिल दहल जाता है लेकिन परिस्थितियों की मार प्रतिभा का पलायन नहीं कर सकती इस कहावत का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जीता जागता उदाहरण थे। छोटी सी उम्र में ही एक एक करके परिवार के सभी सदस्यों का बिछोह जिस बालक ने सहन किया हो उसकी मनस्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उसके बाद भी पूरा जीवन अभावों और कष्टों में बिताकर भी वे इस प्रकार कुंदन बन कर निकले कि उनके आभा मंडल से पूरा भारतवर्ष आलोकित हो गया। बडी मुश्किल से और बार बार स्थान बदलकर अपनी पढाई करते हुए दीनदयाल जी ने जब मेट्रिक की परीक्षा में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया और दो स्वर्णपदक प्राप्त किये तो सहसा ही सबका ध्यान इस सामान्य से अबोध बालक पर गया और उनकी प्रतिभा को एक परिचय मिला। 1937 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्पर्क में आए और उसके बाद उनके जीवन का ध्येय ही बदल गया। वे उत्तरप्रदेश में संघ के प्रचारक रहे और वहाँ संघ के कार्य विस्तार को नई उँचाईयाँ प्रदान की। स्वाधीनता के बाद राजनैतिक क्षेत्र में एक राष्ट्रवादी विचारधारा के राजनैतिक दल की आवष्यकता महसूस की जाने लगी थी। पं. जवाहरलाल नेहरू लगातार तुष्किरण की नीति पर काम करते दिखाई दे रहे थे ऐसी स्थिति में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की। संघ के सरसंघचालक प.पू.श्री गुरूजी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय को जनसंघ में भेजा। 1952 से 1967 तक दीनदयाल जी जनसंघ के महासचिव रहे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के निधन के बाद उन्होने जनसंघ का भार अपने कंधो पर लिया और एक वैकल्पिक राजनैतिक दल के रूप में जनसंघ की स्वीकार्यता पूरे देश में स्थापित की। वे मूर्धन्य लेखक थे और अपनी इसी प्रतिभा के बल पर उन्होने लखनऊसे प्रकाशित पांचजन्य और स्वदेश जैसे समाचार पत्रों का सम्पादन भी किया। इतना ही नहीं तो दीनदयाल जी ने सम्राट चंद्रगुप्त पर एक नाटक और पूज्य शंकराचार्य जी की जीवनी भी लिखी।

अपने एकात्म मानववाद की व्याख्या में उन्होने कहा कि हमें स्व का विचार करना आवश्यक है क्योंकि उसके बिना स्वराज अपने लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकता केवल स्वतंत्रता ही हमारे विकास और सुख का साधन नहीं बन सकती हमें अपने वास्तविक धरातल को पहचान कर अपनी शक्तियों के बारे में जानकारी प्राप्त करके ही आगे बढना चाहिये। उन्होने कहा कि विकास की कल्पना उस समय तक अधूरी है जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसकी पहुँच ना हो। वास्तव में भारत की संस्कृति समाज और सृष्टि का ही नहीं अपितु मानव के मन, बुद्धि, आत्मा और शरीर का समुच्च्य है और इसी समग्र विचार के परिप्रेक्ष्य में मानव का विचार होना चाहिये। अन्य विचारक पंडित जी के एकात्म मानववाद की व्याख्या राष्ट्र की आत्मा और उस शक्ति के संदर्भ में भी करते हैं जो राष्ट्र को उर्जा प्रदान करती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत इस एकात्म मानववाद की अवधारणा को आम तौर पर बडा ही कठिन माना जाता है और इसे समझने में कठिनाई अनुभव की जाती है। इसे दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है कि पंडित जी अपनी एकात्म मानववाद की विचारधारा को सरलीकृत और लोकव्यापी नहीं कर सके इसके पूर्व ही उनका निधन हो गया लेकिन तात्कालीन दिशाहीनता की स्थिति में जबकि सारा विश्व समाजवाद, साम्यवाद, पूंजीवाद, उदारवाद और व्यक्तिवाद जैसी विदेशी विचारधाराओं में अपने राष्ट्र की प्रगति का आधार खोजने में लगा था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के सिद्धांत का प्रतिपादन करके आधुनिक राजनीतिक और अर्थव्यवस्था तथा समाज की रचना के लिये एक ऐसा धरातल प्रस्तुत किया जिस पर खडा होकर हर भारतीय गौरव का अनुभव कर सकता है। आज जब हम संपूर्ण विश्व में नए नए विचारों और प्रतिमानों की खोज में लगें हैं और उनकी व्याख्या आधुनिक संदर्भों में कर रहे हैं तो हमारी भी यह जिम्मेदारी बनती है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत एकात्ममानववाद की व्याख्या हम नए संदर्भों में कर इस राष्ट्र के उत्थान की दिशा तय करने का प्रयास करें। वे अजातषत्रु थे, वे मूर्धन्य विचारक थे, शारिरिक बनावट में भले ही वो छोटे से दिखते थे परन्तु वैचारिक अधिष्ठान में उनकी बराबरी तात्कालीन समय में कोई नहीं कर सकता था। आज उनकी जन्म जयंती पर पुण्य स्मरण।

डॉ. क्षितिज पुरोहित
मो.-9425105610

सफाई कर्मचारियों के लिए वर्ष में दो बार स्वास्थ्य कैंप आयोजित करें-श्रीमती पंवार

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना पंवार ने जिले के सफाई कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभागार ली। बैठक के दौरान आयोग उपाध्यक्ष द्वारा निर्देश दिए गए की सफाई कर्मचारियों के लिए साल में दो बार स्वास्थ्य कैंप आयोजित करें। स्वास्थ्य कैंप में पूरी बॉडी चेकअप करें। जिसमें एक्स-रे, ईसीजी, ब्लडटेस्ट इत्यादि की जांच की जाए। स्वास्थ्य कैंप सिर्फ बीपी एवं शुगर नापने तक सीमित न रहे। सभी सफाई कर्मचारियों के लिए महीने में एक बार जनसुनवाई आयोजित करें। जिसमें कर्मचारियों की समस्याओं को अधिकारी सुने तथा उनका तुरंत निराकरण करें। पदोन्नति समय-समय प्रदान करें। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, सभी नगर पालिका सीएमओ, जिलाधिकारी, सफाई कर्मचारी मौजूद थे।

सफाई कर्मचारियों के लिए दो चेंजिंग रूम बनाएं- आयोग उपाध्यक्ष ने निर्देश देते हुए कहा कि सफाई कर्मचारियों के लिए दो चेंजिंग रूम बनाएं। जिसमें दोनों रूम स्त्री और पुरुष के लिए अलग-अलग रहेंगे। महिलाओं से भारी काम न करवाएं। साथ ही रात में महिलाओं से कोई कार्य न करवाएं।

गरीब बस्तियों में सामुदायिक भवन बनवाएं- ऐसे सफाई कर्मचारी जो गरीब बस्तियों में रहते हैं। वहां पर उनके लिए सामुदायिक भवन बनाएं। जिससे उनके सामाजिक कार्यक्रम उसमें आयोजित हो सके। सामुदायिक भवन में एक रूम पुस्तकालय के लिए भी बनवाएं। ताकि कर्मचारियों की बच्चे अच्छी-अच्छी पुस्तक पढ सके। जो पुस्तकालय बच्चों का बेस मजबूत करेगा। कर्मचारियों को हिदायत दें नौकरी से न निकाले। कर्मचारियों को सुधारने की कोशिश करें।

कर्मचारियों का सम्मान रिटायरमेंट हो- सफाई कर्मचारी दिन रात मेहनत करते हैं, उनकी सेवानिवृत्ति सम्मान तरीके से हो। रिटायरमेंट से पहले उनके नाम, सरनेम में अगर गलती हो तो, उसको सुधार करवाएं। इस नियम को पूरे जिले में लागू करें। अनुकंपा नियुक्ति समय पर प्रदान करें। नगर परिषद में इस तरह का कोई भी मामला लंबित नहीं रहना चाहिए।

सभी कर्मचारियों को मौसम अनुसार वर्दी मिले- सफाई कर्मचारियों को काम करने के लिए वर्दी समय-समय पर मिलनी चाहिए। सिर्फ वर्दी नहीं बल्कि प्रत्येक मौसम अनुसार वर्दी मिलना चाहिए। बारिश के दिनों में रेनकोट, सर्दी के दिनों में स्वेटर, जैकेट, जूते इत्यादि प्रदान करना चाहिए। कर्मचारियों को काम करने के लिए जितनी भी मूलभूत सुविधाएं है उनसे वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी सुविधाएं प्रदान करके रिपोर्ट आयोग को प्रस्तुत करें। अगर किसी कर्मचारी के पास आईडी प्रूफ नहीं है, तो कर्मचारी का पहचान पत्र बनवाएं। पहचान पत्र में ब्लड ग्रुप, पीएसआई नंबर, पीएच नंबर इत्यादि का उल्लेख जरूर करें।

शिक्षा विभाग कमजोर बच्चों पर विशेष कार्य करें-कलेक्टर

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि स्कूल में ऐसे बच्चे जो पढने में कमजोर है, उन पर विशेष तौर पर ध्यान दें। उनका परफॉर्मेंस और बेहतर करें। बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता पर कार्य करें। स्कूल का परफॉर्मेंस बेहतर होना चाहिए। सिलेबस का स्टेटस बनाएं। बेहतर तरीके से पढाने पर कार्य करें। कहां पर बच्चे कम आते हैं, कहां पर टीचर कम जाते हैं, इसकी रिपोर्ट संकुल प्रस्तुत करें। इस संबंध में जानकारी बच्चों से पूछे। संकुल वाइस मास्टर ट्रेनर बनाकर प्रश्न बुकलेट तैयार करें। बुकलेट तैयार होने से विद्यार्थियों में क्रिटिकल थिंकिंग मजबूत होगी। बच्चे प्रश्न को समझे फिर उत्तर लिखे। इस पर कार्य करें। स्कूलों में बच्चों के परीक्षा परिणाम को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक गतिविधियां सुव्यवस्थित संचालित करें। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, जिला शिक्षा अधिकारी, डीपीसी, संकुल प्राचार्य, शिक्षक मौजूद थे।

भगवान पशुपतिनाथ की प्रतिष्ठा करके स्वामी प्रत्यक्षानंदजी महाराज ने मंदसौर को पावन तीर्थ बना दिया-युवाचार्य महेश चैतन्यजी

भगवान श्री पशुपतिनाथ प्रतिष्ठाता ब्रह्मलीन श्री प्रत्यक्षानंदजी महाराज का मनाया महानिर्वाण महोत्सव

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। 24 सितम्बर को श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में विश्व प्रसिद्ध अष्टमूर्ति भगवान श्री पशुपतिनाथ के प्रतिष्ठाता ब्रह्मलीन स्वामी श्री प्रत्यक्षानंदजी महाराज का 43वां महानिर्वाण दिवस महोत्सव आश्रम के परम पूज्य युवाचार्य संत श्री मणीमहेश चैतन्यजी महाराज, स्वामी कृष्णप्रेमानंदजी महाराज, स्वामी आनन्दस्वरूपानंदजी महाराज, स्वामी शिव चैतन्यजी महाराज, स्वामी प्रभातमुनिजी महाराज, स्वामी मोहनानन्दजी महाराज आदि के सानिध्य में मनाया गयां। आश्रम स्वामी प्रत्यक्षानंदजी महाराज के समाधि मंदिर में प्रतिष्ठित स्वामीजी की प्रतिमा पूजन अभिषेक आरती की गई। पूजन विधि पं. विष्णुलाल व्यास पं. दिनेश व्यास ने सम्पन्न कराई।

स्वामी कृष्णप्रेमानंदजी ने कहा कि जिस प्रकार पात्र बिना जल नहीं ठहरता उसी प्रकार बिना ज्ञान के मोक्ष नहीं होता। स्वामी प्रत्यक्षानंदजी ने भागवत कथा प्रवचन सत्संग के माध्यम से सबको मोक्ष का मार्ग प्रशस्ती का ज्ञान कराया। स्वामी मणि महेश चैतन्यजी महाराज ने कहा कि स्वामी श्री प्रत्यक्षानंदजी ने मालवा क्षेत्र में जन्म लेकर मालवा मेवाडा आदि क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए धर्म का प्रचार प्रसार किया। आपके प्रवचन की शैली बहुत ही सरल थी। बिना पढे अशिक्षित भी उनके प्रवचनों को सहज ही समझ लेता था। प्रवचन के प्रारंभ मध्य और समाप्ती पर आपके श्री मुख से जो उच्चारण नारायण देव की जय-उद्घोष सबके मन को मोह लेता था। चैतन्य आश्रम में भगवान कठिन साधना करके भगवान पशुपतिनाथ प्रतिष्ठापन कर मंदसौर को तीर्थ रूप को विश्व मानचित्र पर पहचान दिलाई। प्रत्येक माह खोली जाने वाली दानपेटी से विदेशी मुद्राओं का निकलना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। स्वामीजी के तपस्या के प्रभाव से जो भी आश्रम में आत्मा उसे अपार सुख शांति आनन्द का अनुभव होता है। स्वामी आनन्दस्वरूपानंदजी महाराज ने कहा कि महापुरूषों का अवतीर्ण संसार के लोगों के कल्याण के लिये होता है। महापुरूषों का महानिर्वाण उनकी जन्म मृत्यु की गति की समाप्त होकर स्वयं भगवदकार हो जाते है। सबको प्रत्यक्ष आनन्द की अनुभूति कराके स्वामीजी ने अपने प्रत्यक्षानंद नाम को साकार कर दिया। हमारे तन की बीमारियों का उपचार तो डॉक्टर कर सकता है परन्तु शारीरिक बीमरियों से भयंकर बीमारी है वह है मानसिक रोग और इसका उपचार एक सदगुरू ही कर सकता है। स्वागत उद्बोधन भागवत प्रवक्ता पं. कृष्णवल्लभ शास्त्री ने दिया। डॉ. रविन्द्र पाण्डे ने भी संबोधित किया। संचालन ट्रस्टी योग गुरू बंशीलाल टांक ने किया। आभार लोक न्यास सचिव रूपनारायण जोशी ने माना।

निराश्रित और निर्धन दिवंगतों की अस्थियां लेकर बंसल और साथी गण हरिद्वार रवाना

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। पार्षद और समाजसेवी सेवा बैंक के संचालक सुनील बंसल मंगलवार को निराश्रित और निर्धन दिवंगतों के अस्थि कलश लेकर गंगा जी में प्रवाहित करने हरिद्वार रवाना हुए। 50 पुरुषों और 13 महिला दिवंगतों के अस्थि कलश गंगा जी में प्रवाहित करेंगे। 13 वानरों की अस्थियां ओर जाते जाते 5 अस्थि कलश ओर प्राप्त हुए भी ले गए हैं।

उनके साथ इस पुनीत कार्य हेतु साथी भरत शिंदे, सज्जन खिमेसरा, चंद्रशेखर निगम, शंभू सेन राठौर, कन्हैया लाल दया, बंशी साहू, सुरेश राठौर, रोहित कुमावत आदि भी साथ गए हैं। उल्लेखनीय है कि श्री बंसल के साथ प्रतिवर्ष नगर के अन्य सामाजिक कार्यकर्ता साथी भी इस पुनीत कार्य में सहयोग के लिए जाते हैं और हरिद्वार में श्री बंसल के साथ अस्थियां प्रवाहित करने के विधान में सम्मिलित होते हैं। मंगलवार को सुनील बंसल और उनके साथियों को विदा करने और यात्रा की शुभकामनाएं देने नगर के गणमान्य जन भी यहां पर उपस्थित हुए जिनमें पं.अरुण शर्मा, सत्येंद्र सिंह सोम, ब्रजेश जोशी, नटवर भाई पारिख, नम्रता चावला, नीलेश जैन, विनय दुबेला, रिषभ मित्तल, नंदकिशोर अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, मंगलम डोसी, सुनील सिखवाल, वैभव जैन, सुभाष गुप्ता, अर्चना गुप्ता, शुभम गर्ग, लोकेश अग्रवाल, अंकित(नारू), सत्येन्द्रसिंह सोम, राजेन्द्र बींजीं, बलवंत अरोरा, निर्मिल गुप्ता, रमा माथुर, सुनीता अग्रवाल, हिमानी बंसल, खुसबू अग्रवाल, राजमल गर्ग, अजय मित्तल, राजू कबाडी, बालकृष्ण दवे आदि प्रमुख थे।

सोयाबीन की कटाई के बाद किसान आगामी फसलों की तैयारी में जुटें

खजूरीआंजना, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले के खजुरी आंजना सहित आसपास के क्षेत्र में इन दिनों किसानों ने 9560 वैरायटी की सोयाबीन की कटाई शुरू कर दी है करीब एक हफ्ते भर से मौसम साफ होने से किसान अपने सोयाबीन की फसल को कटाई मजदूरों की मदद से या हार्वेस्टर मशीन से कर रहे हैं जिन खेतों में ज्यादा नमी को देखते हुए मजदूरों से सोयाबीन की कटाई कर रहे हैं वहीं क्षेत्र के कहीं किसान अपनी सूखी हुई सोयाबीन की फसल को मजदूरों से कटवा रहे हैं वह साथ ही थ्रेशर मशीनों के द्वारा निकालने का काम किया जा रहा है जों कि 1200 रुपए प्रति घंटे के हिसाब से ले रहे हैं वहीं क्षेत्र में मजदूर सुबह 7:00 से दोपहर 12:00 बजे तक के करीब 350 सौ से 400 रुपये तक ले रहे हैं वहीं दोपहर 3:00 बजे से लगाकर 6:00 तक के 200 ले रहे हैं वही हार्वेस्टर वाले प्रति एक बिगे के करीब 1400 से 1500 ले रहे हैं जिसमें सोयाबीन कि फ़सल काटकर निकालकर दे रहे हैं और ऐसी ही सोयाबीन अगर मंडी में ले जाए तो 3500 से लगाकर 3700 तक बिक रही है जिससे किसान काफी परेशान नजर आ रहे हैं और किसानों की लागत भी निकालना मुश्किल हो रहा है और इस बार किसानों का कहना है कि सोयाबीन की फसल घाटे का सौदा बन गई है जो हमने लागत लगाई वह भी निकलना मुश्किल हो रहा है

वही करीब दोपहर तक तो काफी तेज गर्मी नजर आती है उसके बाद शाम 4 बजते ही बादलों का जमावडा देखने को मिल जाता है आज से दो दिनों से हल्के फुल्के आसमान पर बादल छाए हुए नजर आ रहे हैं व कहीं ज़िले में हल्की-फुल्की बारिश भी देखने को मिली तो किसानों ने अपनी सोयाबीन कटवाने का कार्य आनंद फालन व फटाफट निपटा रहे हैं सोयाबीन की फ़सल खास तौर पर 9560 बुआई के बाद करीब 85 से 90 दिन के बाद कटाई के लिए लगभग तैयार हो जाती हैं वही किसान खेतों में नमी को देखते हुए अपने सोयाबीन कटाई का कार्य कर खाली खेतों में देशी लहसुन गेहूं चने व सरसों के लिए खेतों को भी तैयार करने में जुटे हैं।

लॉ कॉलेज में रासेयो के स्थापना दिवस का आयोजन सम्पन्न

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय में रासेयो दिवस का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह से आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष एवं श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय ट्रस्ट अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल जी गुर्जर द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि. रासेयो कार्यक्रम का आयोजन समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा से परिलक्षित होता है। हमें सदैव समाज में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता पर ध्यान देना होगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, विद्यार्थी जीवन सदैव सीखने का समय होता है। हमें सीखने हेतु सतत् गतिशील होना चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिभाषक एवं ट्रस्ट श्री पुखराज दशौरा द्वारा विद्यार्थियों को मोटिवेशनल स्पीच दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. डॉ. श्री विनोद पाटीदार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। संचालन महाविद्यालय की छात्रा ज्योति सोनी द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन श्री राजेश नोगिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

गांव को स्वच्छ बनाने में सभी की सहभागिता अनिवार्य

नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति ने रैली निकाल कर ली स्वच्छता की शपथ

नाटाराम/सीतामऊ, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के निर्देशन में स्वच्छता पखवाडा अंतर्गत नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति द्वारा कयामपुर सेक्टर 1 की 22 ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियां में स्वच्छता अभियान की गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिसमें सार्वजनिक स्थानों पर साफ -सफाई, शासकीय भवनों की साफ सफाई ,स्वच्छता रैली पौधारोपण, दीवार लेखन सहित अनेक गतिविधियां ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा आयोजित की जा रही है। मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक तृप्ती वैरागी एवं विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा के मार्गदर्शन में उपरोक्त गतिविधियां आयोजित की जा रही है। नवांकुर संस्था नाटाराम प्रगतिशील विकास समिति के कार्यक्रम समन्वयक हरिओम गंधर्व ने जानकरी देते हुए बताया कि शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर नाटाराम अंतर्गत विभिन्न गतिविधि आयोजित की गई। जिसमें ग्राम पंचायत, शासकीय उपस्वास्थ्य केंद्र ,विद्यालय ,आंगनबाडी केंद्र को साफ सफाई की गई। बच्चों को हाथ धुलाई के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए 8 विधियां बताई गई। स्वच्छता रैली का आयोजन कर पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में सरपंच एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नाटाराम के उपाध्यक्ष बापूलाल जाट, सचिन प्रेमसिंह राठौड ,सी एच ओ टीना वर्मा, बीएसडब्ल्यू स्टूडेंट साधना सेन, आंगनवाडी कार्यकर्ता कैलाश शर्मा, कविता शर्मा ,पंच नंदकिशोर पाटीदार, प्रधानाध्यापक बाबूलाल बुनकर, तुलसीराम राठौड, पुष्कर गंधर्व ,कन्हैयालाल सेन ,आशा कार्यकर्ता टम्मा माली, पुष्पा सेन एवं नवांकुर संस्था एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नाटाराम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

बेटियों के बिना सृष्टि का श्रृंगार है अधूरा...

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। किसी भी समाज और देश की वास्तविक पहचान उस जननी जन्मभूमि से हे जो वंशवृद्धि अर्थात उत्पादकता का निमित्त हे। फिर वह मनुष्य रूप में नारी हो सकती हे जो देश दुनिया की आधी आबादी का नेतृत्व कर रही हो क्योंकि वंश का बडना तो मातृत्व पर ही निर्भर हे। फिर वह जन्मभूमि, मातृभूमि भी हो सकती हे जो अपनी उपजाऊमिट्टी से खाद्यान, फल और विविधता पूर्ण आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति का माध्यम बनती हे या फिर इस जल थल नभ में वह प्राणिमात्र की प्रसूता रूप में भी हमारे सामने विद्यमान हे जिसके बिना इस सृष्टि के जीवनचक्र अर्थात पूरे परिस्थिति तंत्र का सफल एवम नियमित संचालन असंभव हे। विकास के नए आयाम तय करते हुए व्यक्ति भले ही चांद के बाद मंगल व सूर्य ग्रह पर पंहुच जाए किंतु उसकी इस यात्रा या सफलता की सार्थकता तो बेटियों के विविध स्वरूपो में जन्मदात्री मां अथवा नारी के बिना अधूरी हे। इस पृथ्वी पर मनुष्य ही वह प्राणी हे जो सोचने समझने और उसे संवेदनाओ के साथ अभिव्यक्त करने का सामर्थ्य रखता हे इसलिए मनुष्य रूप में हमारे समाज में नारी की भूमिका का आकलन करने के लिए किसी भी समाज व देश की सशक्त अनिवार्यता अर्थात नीव की प्रथम इकाई की कल्पना जरूरी हे। बेटी के बिना इस पृथ्वी की संपूर्णता एवम मनुष्य जीवन का संपूर्ण श्रृंगार सदेव अधूरा हि रहा हे। क्योंकि बेटी हे तो कल हे यह युक्ति जल हे तो कल हे से भी अधिक प्रासंगिक एवम अनिवार्य शर्त के रूप में समाज व देश के समक्ष प्रश्नात्मक रूप से सदेव विद्यमान रही और रहेगी। महिलाओ को घर की चारदीवारी तक सीमित रखने या बेटियां पराया धन हे की उस संकुचित मानसिकता से अब तक मां, बेटियों, बहनो एवम नारी शक्ति को भांति भांति के रूढिवादी ढकोसलो, दकियानूसी सोच में कैद कर रखा था। बदलते दौर में बेटियों और मातृशक्ति की समान भागीदारी का शाश्वत भाव जाग्रत हो रहा हे। यह तो प्रतिबद्धताओं के साथ उस पथ पर आगे बडने की शुरुआत भर हे जन्हा से हम बेटियों को रेल, हवाई जहाज की कमान ही नही सौंप रहे हे बल्कि भारतीय सेना में भी अग्नीवीरो के रूप में बेटियां महती भूमिका में हे और हजारो बेटियां प्रण प्राण से जुटी हे। यही मौलिक स्वाभाविक बदलाव भारत की शाश्वत पहचान हे। बेटियों को बेटो के साथ तुलनात्मक रूप से कम कर के आंकना किसी भी समाज व राष्ट्र की कमजोरी का घोतक हे। वर्तमान समय में बेटी की महत्ता और स्वीकार्यता समाज से लेकर देश तक में बडी हे। बेटी माता पिता के दर्द में हमदर्द होती हे। बेटी हर पिता का निसंदेह अभिमान हे किंतु यह अभिमान तभी गोरवांतित होगा जब वह बेटी अपनी उडान के पंख के साथ साथ दो परिवारो को मान सम्मान का यशगान करवाए। शिक्षित संस्कारी बेटियां दो कुलो को तारती हे। प्रत्येक सफल पुरुष के पीछे एक नारी का हाथ होता हे चाहे वह मां, बहन, बेटी, पत्नी ही क्यों न हो। बिन बेटी के घर, आंगन, परिवार सूना लगता हे। भारत में लडको की तुलना में लडकियों की संख्या का अनुपात भी पिछले दशक की तुलना में प्रशंसनीय रूप से बडा हे और शायद राष्ट्रीय बेटी दिवस मनाने का उद्देश्य भी यही था। समाज भी बेटी नही बेटा वाली मानसिकता से काफी कुछ उम्मर उठ चुका हे और उसके साक्षात परिणाम सामने हे जब देश की बेटियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, सिविल सर्विसेस, सेना, अंतरिक्ष प्रत्येक क्षेत्र में परचम लहराया हे।

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

रासेयो इकाई मनासा द्वारा मनाया एनएसएस स्थापना दिवस

मनासा, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा द्वारा एनएसएस स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.एम.एल. धाकड थे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीर पर रोली तिलक लगाकर की गई तत्पश्चात स्वयंसेवकों द्वारा लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया। रोली तिलक लगाकर मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के बाद स्वयंसेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई जिसमें स्वयंसेवकों ने आकर्षक देश भक्ति गीत एवं लोक नृत्य के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम अंतर्गत स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता पर नुक्कड नाटक प्रस्तुत किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य ने स्वयंसेवकों को उद्बोधन करते हुए कहा कि रासेयो विद्यार्थियों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जिसमें समाज सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास किया जाता है। वरिष्ठ स्वयंसेवकों एवं विभिन्न शिविरों में सम्मिलित होने वाले स्वयंसेवकों का प्रमाण पत्र एवं शिल्ड देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक शिल्पा शेड्डिया, निकिता माली एवं आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी प्रो.आशा पटेल ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एम.एल.धाकड, रासेयो जिला संगठक प्रो. अरुण कुमार चौरसिया कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर आशा पटेल डॉ.जीके कुमावत सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं बडी संख्या में रासेयो स्वयंसेवक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री राम युवा सेना की मांग पर मंदिर की दीवार पर बने मूत्रालय को नगरपालिका ने हटाया

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। श्रीराम युवा सेना के प्रदेश अध्यक्ष सरदार कुणाल श्रीवास्तव (बालागंज) व कमलेश जैन ने बताया कि जनकूपुरा स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर (शासकीय मंदिर) की दिवाल पर से सार्वजनिक मूत्रालय बना होने से धार्मिक भावनाएं आहत हो रही थी। तथा इस बाबत् कई बार नगरपालिका को अवगत कराने के बाद भी वहां मुत्रालय नहीं हटाया जा रहा था। मामले का संज्ञान श्री राम युवा सेना का होने पर विगत दिनों कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन दिया गया तथा इस बाबत् जानकारी राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर एवं नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर को दी गई। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए नगरपालिका अमले ने 24 सितम्बर को पहुंचकर उक्त मुत्रालय को तोडकर वहां से हटा दिया गया। सरदार कुणाल श्रीवास्तव (बालागंज) व कमलेश जैन ने बताया कि जनकूपुरा में एक प्राचीन श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर स्थापित है। जिसके प्रबंधक श्रीमान् कलेक्टर महोदय है। उस दीवार पर नगरपालिका परिषद मंदसौर ने सार्वजनिक मूत्रालय बना रखा था। जिससे हम सनातनी भाईयों की भावनाएं आहत हो रही थी। श्री राम युवा सेना के सरदार कुणाल श्रीवास्तव (बालागंज), हरजीतसिंह, कमलेश जैन, नगर अध्यक्ष विक्रम राठौर आदि ने श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर की दीवार से मूत्रालय हटाये जाने पर राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर एवं नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य सहित नगरपालिका अमले का आभार व्यक्त किया है।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती पंवार का गोसर के निवास पर हुआ स्वागत

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना पंवार अपने मंदसौर नगर के दौरे पर आई। इस दौरान वे अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीवन गोसर के निवास स्थल पर पहुंची जहां पर वाल्मीकि समाजजनों ने उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान समाजजनों द्वारा श्रीमती पंवार से चर्चा कर सफाई कर्मचारियों की सात सूत्रीय मांगों से अवगत कराया। जिस पर श्रीमती पंवार ने मांगों को पूर्ण कराने का प्रयास करने का आश्वासन दिया।

जीवन गोसर के निवास स्थल पर श्रीमती अंजना पंवार का स्वागत कर जीवन गोसर व प्रेमदेवी गोसर ने भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की तस्वीर भेंट की। इस अवसर समाज के पटेल मुकेश चनाल, चौधरी नरेश परमार, समाजसेवी वरिष्ठ घीसालाल केसरिया, ईश्वरलाल गोसर, बसंत परमार, विष्णु मकवाना, संतोष गोसर, विजय परमार, यशपाल सलोद, रवि डागर, भूपेन्द्र धारू, संजय रील, शक्ति डागर, राकेश तंवर, मनोहर तंवर, अनिल अठवाल एडवोकेट, जितेन्द्र अठवाल द्वारा शाल, श्रीफल व पुष्पगुच्छ भेंटकर श्रीमती अंजना पंवार का स्वागत किया। इस अवसर पर वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीवन गोसर, अ.भा. सफाई मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष गोसर, नगर अध्यक्ष मनीषा धारू, म.प्र. कर्मचारी मंच जिलाध्यक्ष यशपाल सलोद, उपाध्यक्ष राजू चनाल, सतीश बालोदा ने सफाई कर्मचारियों की मांगों में चर्चा कर राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की उपाध्यक्ष श्रीमती अंजना पंवार को मांगे बताई जिसमें प्रमुख रूप से मंदसौर न.पा. में विगत 40 वर्षों से शिक्षित सफाई कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ नहीं मिला शिक्षित सफाई कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिलवाया जावे, मंदसौर नगरपालिका में जो सफाई कर्मचारियों से 500 रुपये का शपथ-पत्र लेकर 11 माह का एग्रीमेंट करवाया जाता हे कृपया इस ठेका प्रथा को बंद करवाया जावे एवं कर्मचारियों को नियमित करवाया जावे, प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री शिवराज सिंह के द्वारा प्रदेश की कई अवेध कॉलोनियों को वैध किया गया, उसी प्रकार मंदसौर नगर की भी लगभग 100 सो से ज्यादा अवैध कॉलोनियों को वैध किया गया, जिसके कारण नगर का विस्तार हुआ, नगर का विस्तार होने के कारण कार्य का भार वर्तमान सफाई कर्मचारियों पर अधिक पड रहा हैं, इसलिए 100 पुरुष एवं 100 महिलायों की नई नियुक्ति करवाये जाने की मंदसौर नगरपालीका में सन 2007 से 2016 के शेष वंचित सफाई कर्मियों को विनियमितीकरण का लाभ नहीं मिला, कृपया उन्हें विनियमितीकरण का लाभ दिलवाया जावे, नगरपालिका में सफाई कर्मचारियों के रिटायर्ड हो जाने पर एवं दैनिक वेतन कर्मचारी की मृत्यु हो जाने पर उनके परिवार में से किसी एक व्यक्ति की नियुक्ति के आदेश जारी करवाये जाएं, जिससे उनके बच्चों का पालन पोषण अच्छे से हो सके। मंदसौर नगरपालिका क्षेत्र में प्रमुख वाल्मीकि बस्तियों में मांगलिक भवन बनवा कर उन्हें संचालन के लिए मोहल्ला समितियों को सौंपा जाए, जिससे गरीब परिवार मांगलिक कार्यक्रमों में महंगे रिसोर्ट के खर्चे से बच सके। वाल्मीकि समाज के जिन परिवारों के पास स्वयं के घर नहीं हैं, उन्हें किसी शासकीय योजना जैसे प्रधान मंत्री आवास योजना में मकान दिलवा कर स्वामित्व प्रदान करवाया जाए अथवा नगरपालिका द्वारा नि:शुल्क भूखण्ड आवंटित करवाये जाएं। उक्त मांगों को लेकर श्रीमती पंवार ने जल्द ही पूरी करवाने हेतु आश्वासन दिया गया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	386	1210	1410
उडद	18	6000	6951
सोयाबीन	5000	3660	4850
गैहु	2000	1608	1761
चना	291	3850	4510
मसुर	340	4260	5221
धनिया	950	3700	5300
लहसुन	19000	2000	8601
मैथी	300	4000	5239
अलसी	900	4800	5464
सरसो	4500	4700	5585
तारामीरा	20	4150	4321
इसबगोल	16	8700	11450
प्याज	900	1210	3200
कलोंजी	000	0000	0000
डॉलर	05	3801	6200
तिल्ली	03	7500	7800
मटरसुखी	15	2100	3800
असालीया	70	3681	4389

दिनांक 25 सितम्बर 2024
अपनी कुण्डली स्वयं देखे-
ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ
क्या आप जानते है..?

✻ यदि आपकी जन्मकुंडली में सूर्य ग्रह अधिक बलवान हो एवं दशमेश अष्म या द्वादश भाव में स्थित हो तो निश्चय ही पीता के सुख मे कमी करेगा। पिता का स्नेह-आशीर्वाद आप पर बहुत अच्छा रहेगा, वे आपकी बहुत अधिक चिंता करने वाले होंगे, उनके द्वारा आपको धन सम्पत्ति प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन किसी कारणवश उनके साथ मे कमी होगी।
जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर
7024667840,8085381720

क्षेत्र के अस्तित्व से जुड़ी है मंदसौर को संभाग बनाने की मांग

2 अक्टूबर को पोस्टकार्ड अभियान से शुरू किया जाएगा चरण बद्ध आंदोलन, नपा सभागार में हुई नगर की बड़ी बैठक , 75 हजार पोस्टकार्ड की राशि की बैठक में जन सहयोग से हुई स्वीकृति

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय मंदसौर को संभाग बनाने की मांग को लेकर नपा सभागार में नगर के गणमान्य व प्रबुद्धजनों की बड़ी बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न सेवा भावी संगठनों और संस्थाओं के प्रतिनिधि और मीडिया के भी साथी उपस्थित थे।

इस महत्वपूर्ण मसले पर आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रथम चरण में मंदसौर नगर से वातावरण निर्मित किया जावे और एक माह में एक लाख पोस्टकार्ड मुख्यमंत्री के नाम लिखे जाएंगे। संपूर्ण मंदसौर और नीमच जिलों में जिले वासियों से आव्हान किया जाएगा कि वे इस आंदोलन में जुडे और अपने-अपने क्षेत्र से अधिक से अधिक पोस्टकार्ड लिखें। 2 अक्टूबर से गांधी चौराहे से यह अभियान आरम्भ किया जाएगा। मंदसौर जिले से 5 लाख पोस्टकार्ड लिखे जाएंगे।

अगले चरण में हस्ताक्षर अभियान और सभी समाजों की ओर से अलग-अलग प्रतिवेदन भेजे जाएंगे। जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिए जाएंगे और उन्हें बाध्य किया जाएगा कि मंदसौर को संभाग का दर्जा मिलने के लिए वह भी सडकों पर आएं धरना प्रदर्शन और आवश्यकता पडी तो संपूर्ण जिला बन्द का आह्वान किया जाएगा।नीमच जिले में भी अभियान चलाया जाएगा वहां के जिले वासियों को इस अभियान से जोडा जाएगा जावरा विधानसभा को भी अभियान में सम्मिलित किया जाएगा। बैठक में विधायक विपीन जैन, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमा देवी गुजर, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मदनलाल राठौड, वरिष्ठ समाज श्री गुरुचरण बग्गा, नरेंद्र अग्रवाल, हिम्मत डांगी, बृजेश जोशी , पुष्पेन्द्र भावसार ,कन्हैयालाल सोनगरा, रमेश चंद्र चन्द्रे, उमेश पारीक, अभय डोसी, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर,प्रदीप भाटी प्रमुख रूप से उपस्थित थे और जिन्होंने सुझाव दिए। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि यह मंदसौर क्षेत्र के अस्तित्व का गंभीर विषय है यदि हम लोगों की इच्छा शक्ति और संकल्प शक्ति के अभाव में यह सौगात मंदसौर से छीन ली जाती है तो यह बहुत बडा दुर्भाग्य इस क्षेत्र का होगा। इसलिए हम सभी को मिलकर एकजुट होकर मजबूती के साथ मंदसौर को संभाग बनाए जाने की मांग शासन के समक्ष रखना होगी और इसके लिए सभी तरह के पुरजोर प्रयास किए जाएंगे। बैठक में विचार व्यक्त करने और उपस्थित महानुभावों में सर्व श्री विचार करने और उपस्थित महानुभाव में सर्व श्री सूरजमल जी गर्ग चाचा जी ,पूर्व अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री राजावत, डॉ घनश्याम बटवाल , महावीर प्रसाद अग्रवाल, अशोक झलोया, मनीष भावसार ,सोमिल नाहटा, पंडित दिलीप शर्मा , डॉ भानु प्रताप सिंह सिसोदिया ,नरेंद्र धनोतिया, रूपेश पारीक, गौरव अग्रवाल, हितेश शुक्ला ,नरेंद्र मेहता ,कमल कोठारी, सुरेश भावसार ,राजेश पाठक, जयेश नागर ,सुनील विजयवर्गीय, जगदीशचंद चौधरी, अशोक सेठिया, रमेश काबरा, संजय वर्मा, संतोष गोयल,दिलीप अग्रवाल , भागीरथ मंगोलिया, एमपी सिंह परिहार, जीएस जोशी , बीएससी सिसोदिया, अजीज उल्ला खान, आरसी पांडेय ,राजेश नामदेव, प्रदुम शर्मा, कन्हैयालाल भाटी ,प्रदीप सोनी, संजय महाराणा, हरीशराव जाधव ,वीरेंद्र भट्ट,भूपेश पांडे, किशोर राठौड , सुशील तरवेचा, प्रतीक चंडालिया, राजू अखेरिया रमेश चंद सैनी ,शेषनारायण माली, शैलेंद्र गिरी गोस्वामी ,नरेंद्र मेहता ,रूपेश चौहान ,नरेंद्र त्रिवेदी, रोहित सोलंकी, भारत चौहान, राजू चौहान, कृष्ण चंद चिचानी ,महेश सोमानी ,बाबूलाल लोहार ,पटेल मुकेश चनाल, राजाराम तंवर, बंसीलाल टॉक ,राजेंद्र कुमार शर्मा ,सुभाष गुप्ता, दिलीप गवाला ,राजेंद्र छाजेड ,विश्व मोहन अग्रवाल, हेमंत गंगवानी, सुरेश देवडा , ओम सेठिया छतरीवाला, अशोक नागदा, अमृत लाल पांडे,श्यामलाल सोनी, रमेश चंद डॉलर, चेतन जोशी ,विश्वास दुबे , अतुल पालीवाल ,बलवंत फ़ाफ़रिया , अशफाक अली ,प्रदीप पांडे, श्याम पहलवान ,नरेंद्र कुमार, पवन उपाध्याय, लक्ष्मी चंद यादव, मनोहर लाल सोनी, नवीन जैन ,राकेश दुग्गल ,वीरेंद्र नाहटा, राज नारायण लाड, कपिल भंडारी, नितेश सैनी , मनोहर नाहटा,रूपनारायण जोशी ,प्रदीप गुप्ता, जीवन गोसर, नरेंद्र भावसार ,अशोक सेठिया, निर्मला गुप्ता, तुलसा खत्री, रमा माथुर,रानी अग्रवाल , भारती अग्रवाल, शशि अग्रवाल, चंचल चौरसिया, सुनीता चौधरी, सारिका नाहटा, किरण सोनगरा ,प्रमिला पवार, सीमा चोरडिया ,श्वेता अग्रवाल, प्रवेश विजयवर्गीय ,आनंद भाटी, उमराव जैन ,प्रकाश चंद कल्याणी, वीरेंद्र कुमार आर्य, सहित बडी संख्या मंल नगर के गणमान्य जन एवं मातृशक्ति उपस्थित थे। बैठक के आरंभ में मंदसौर को संभाग बनाने की रूपरेखा नरेंद्र अग्रवाल ने रखी। संचालन वरिष्ठ पत्रकार बृजेश जोशी ने किया एवं आभार उमेश पारीक ने माना।

बैठक में जन सहयोग से 75000 पोस्टकार्ड की स्वीकृति हुई– बैठक में एक लाख पोस्टकार्ड एक माह में लिखकर भोपाल मुख्यमंत्री को भेजने का अभियान का श्री गणेश 2 अक्टूबर से किया जाएगा। जिसके तहत जन सहयोग से मंदसौर के विधायक विपिन जैन विपिन जैन ने 10000 पोस्टकार्ड, भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने भाजपा की ओर से 10000 ,पुष्पेंद्र भावसार ने 5000 शहर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर ने 5000 सुयश रामायण मंडल के सुरेश भवसार ने 5000 , वैश्य महासम्मेलन जिलाध्यक्ष जगदीश चन्द्र चौधरी ने 5000 , पूर्व डिप्टी कलेक्टर बोरीवाल ने 2000,नरेंद्र त्रिवेदी ने 2000 नरेंद्र मेहता ने 2000 , सीए विकास भंडारी ने 2000 , सूरजमल गर्ग चाचा जी ने 2000, एमपी सिंह परिहार ने 2000, सकल वाल्मीकि समाज राजाराम तंवर ने 1000 , राजेश नामदेव ने 1000, राजेंद्र सस्ता राजेंद्र चस्ता चाष्ट ने 1000 , आनंद भाटी 1000 , मारवाडी युवा मंच महिला शाखा अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने 1000, वैश्य समाज महिला इकाई जिला प्रभारी भारती अग्रवाल , जिलाध्यक्ष श्वेता अग्रवाल ने 1000 , अग्रवाल समाज देशी पँचायत महिला मंडल अध्यक्ष शशि अग्रवाल ने 1000 , सकल जैन समाज महिला प्रकोष्ठ 1000 , मारवाडी जीनगर समाज किरण सोनगरा ने 1000 , कायस्थ समाज रमा माथुर ने 1000, भूपेश पांडे ने 1000 , सुशील तरवचा ने 1000 वीरेंद्र भट ने 1000 पूर्व अतिरिक्त कलेक्टर राजावत ने 1000 , माली समाज की ओर से शेष नारायण माली, 1000 मेवाड़ा भाम्भी समाज से भागीरथ मगरिया ने 800, सुरेश देवडा ने 500 पोस्ट कार्ड इस अभियान में देने की स्वीकृति दी।

मंदसौर को मिलना चाहिए संभाग का दर्जा-टूटेजा

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर को संभाग बनाने की मांग लम्बे समय से चली आ रही है। लेकिन अब यह मांग और तेजी होती जा रही है, यह वाजिब भी है मंदसौर संभाग बनने के लिए हर प्रकार से अनुकूल भी है। इसलिए अब मंदसौर को संभाग का दर्जा अवश्य मिलना चाहिए।

उक्त बात कहते हुए जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मनजीतसिंह टूटेजा ने कहा कि वर्तमान में मंदसौर जिला उज्जैन संभाग का जिला है। सभी प्रकार की अनुकूलता और क्षमताओं के बावजूद भी मंदसौर को संभाग का दर्जा नहीं दिया जा रहा है। यह एक बडा विषय है। मंदसौर - नीमच के लोग लम्बे समय से यह मांग कर रहे है। श्री टूटेजा ने कहा कि संभाग बनना यह मंदसौर का अधिकार है। जो उसे मिलना ही चाहिए। और यदि मंदसौर को इस अधिकार से वंचित किया जाता है तो यहां के लोगों के हितों पर बहुत बडा अन्याय होगा। इस मांग हेतु मन्दसौर नागरिक मंच आप ओर हम आगे आ रहा है मैं भी इस मंच का पूर जोर समर्थन करता हूं मंच की मांग वाजिब है और इसे मप्र शासन को पूर्ण करना ही चाहिए। आपने कहा कि भौगोलिक दृष्टिसे भी संभाग बनने का अधिकार मंदसौर का है क्योंकि उज्जैन संभाग है इसलिए रतलाम और उज्जैन की दूरी कम है। मंदसौर नीमच जिले के नगरों और गांवों से रतलाम की उसी अनुपात में दूरी अधिक है। मंदसौर बडा जिला और नीमच के अंतिम छोर से उज्जैन की दूरी बहुत अधिक हो जाती है ऐसे में मंदसौर संभाग के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।

मजदूरों को छोड़ कर लौट रही कार में लगी आग

मनासा, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार की शाम को ग्राम आमलीखेडा से मनासा मजदूरों को छोडने गई एक कार में लौटते समय श्री संभवनाथ गौशाला के सामने अचानक आग लग गई। ग्रामीणों ने पानी का छिडकाव किया और आग पर काबू पाया। हांलाकि कार बुरी तरह से जल गई। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के अनुसार शाम करीब 6 बजे ग्राम आमलीखेडा के खेतों से ग्राम सावन निवासी रुघनाथ पिता कारूलाल गुर्जर की तूफान कार में मजदूरों को बैठा कर चालक दशरथ वसीटा मनासा छोडने गया था। मजदूरों को मनासा छोड़ने के बाद वापसी के समय सावन एवं सावन कुंड के बीच संभवनाथ गौशाला एवं पेट्रोल पंप के सामने कार में अचानक आग लग गई। जिस पर समझदारी से काम लेते हुए दशरथ ने कार को रोका और नीचे उतर गया। फिर वह जोर-जोर से मदद के लिए चिल्लाया तो पेट्रोल पंप पर खडे लोग एवं वहां का स्टॉफ दौड पडा। बुमश्किल आग पर काबू पा लिया गया। हांलाकि इस हादसे में कार बुरी तरह से जल गई। बाद में वहां काफी भीड एकत्रित हो गई।

मप्र कैबिनेट बैठक में ...

पेज 1 से जारी

बाजार में नीलाम किया जाएगा। इससे जो राशि मिलेगी, वह मार्कफेड को दी जाएगी और अंतर की राशि अनुदान के रूप में दी जाएगी। भारत सरकार लगभग सात हजार करोड रुपये देगी। उपार्जन के लिए पंजीयन 27 सितंबर से प्रारंभ किया जा सकता है और खरीदी 25 अक्टूबर से प्रस्तावित है। यह 45 दिन तक चलेगी। उपार्जन की कार्ययोजना को मंजूरी के लिए मंगलवार को कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में कर्मचारियों की विभागीय जांच से जुडे प्रकरण भी निर्णय के लिए रखे जाएंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने कक्षा 5 एवं 8 की वार्षिक परीक्षा के संबंध में जारी किये दिशा-निर्देश

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रदेश की समस्त शासकीय शालाओं, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं और डाईस कोड प्राप्त मदरसों में कक्षा 5वीं और 8वीं में अध्ययनरत बच्चों के लिये एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकों एवं पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षा के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

यह निर्देश समस्त जिला कलेक्टर को भी जारी कर दिये गये हैं। जारी निर्देश में परीक्षा परिणाम के लिये अधिभार अंक निर्धारित किये गये हैं। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिये अधिभार अंक 20, वार्षिक परीक्षा लिखित अधिभार अंक 60 और वार्षिक परीक्षा प्रोजेक्ट कार्य के लिये अधिभार अंक 20 निर्धारित किये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि समस्त शालाओं में अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन राज्य शिक्षा द्वारा निर्धारित ब्लू प्रिन्ट के आधार पर निर्मित कराये गये प्रश्न-पत्रों और निर्धारित समय-सारणी अनुसार कराया जायेगा। शासकीय शालाओं केलिये अर्द्धवार्षिक परीक्षा के प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से निर्मित कराये जायेंगे। जबकि अशासकीय शालाएं राज्य दौरा निर्धारित ब्लू प्रिन्ट के आधार पर प्रश्न-पत्रों का निर्माण स्वयं करेंगी। वार्षिक परीक्षा के लिये शासकीय शालाओं, मान्यता प्राप्त अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं एवं डाईस कोड प्राप्त मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं और 8वीं के लिये पंजीकृत परीक्षार्थी के लिये कक्षावार, विषयवार निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार निर्मित कराये गये प्रश्न-पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे। परीक्षा आयोजन संबंधी समय-समय पर जारी निर्देश मध्यप्रदेश राज्य एजुकेशन पोर्टल की वेबसाइट https://www.educationportal. mp.gov.in/ देखे जा सकते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर की प्राचार्य श्रीमती रजनी यादव ने बताया कि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। पूर्व छात्रा कु.ज्योति सोनी ने छात्राओं को ए,बी,सी सर्टिफिकेट की जानकारी दी और बताया कि भविष्य में यह सर्टिफिकेट कैसे मेरिट में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं आपके विभिन्न सामाजिक व्यक्तित्व, बौद्धिक, शारीरिक विकास में किस तरह सहायक होते है। बच्चों में सेवाभाव जागे इसलिए एनएसएस से जुडने के लिए प्रेरित किया। अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सात दिवसीय शिविर में किस तरह आप सेवा के साथ-साथ मनोरंजन एवं पहचान भी बना सकते है। डा.कविता बुन्देला, सहायक प्राध्यापक द्वारा छात्राओं को एनएसएस के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए यह एक बहुत अच्छा माध्यम है। उन्होने एनएसएस को बोझ न समझते हुए राष्ट्र भावना से जुडने के लिए प्रेरित किया। आपने छात्राओं से आव्हान किया कि वे एनएसएस से जुडकर स्वयं सेवक के रूप में समाज व देशहित में अपना योगदान दें। प्रभारी प्राचार्य द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि एनएसएस का अर्थ है कि स्वयं के लिए नहीं बल्कि दूसरों के लिए जियें। एनएसएस से जुडकर अपने परिवार, महाविद्यालय, समाज और देश का नाम रोशन करें। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टाफ एवं 60 छात्रायें उपस्थित रही। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा.राजश्री ठाकुर द्वारा विषय प्रवर्तन करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया एवं उपस्थित सभा का आभार माना।

मप्र की अर्थव्यवस्था को प्रतियोगी बनाने एशियाई विकास बैंक देगा पूरा सहयोग-सुश्री मियो ओका

एडीबी-मप्र के परस्पर सहयोग की 25 वर्षों की साझेदारी की वर्षगांठ पर कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को प्रभावी और प्रतियोगी बनाने के लिये एशियाई विकास बैंक (एडीबी) पूरा सहयोग करेगा। इंडिया रेसीडेंट मिशन का नेतृत्व कर रही एडीबी की कंट्री डायरेक्टर सुश्री मियो ओका ने कहा कि पिछले ढाई दशकों में मध्यप्रदेश के शानदार प्रदर्शन और बढती अर्थव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए विकास के नये क्षेत्रों में प्रदेश के साथ भागीदारी को और आगे ले जायेंगे। सुश्री ओका एशियाई विकास बैंक और मध्यप्रदेश विकास के क्षेत्र में परस्पर सहयोग की 25 साल की साझेदारी की वर्षगांठ पर भोपाल में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। उल्लेखनीय है कि एडीबी के वित्तीय सहयोग से विकास परियोजनाओं को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करते हुए मध्यप्रदेश और एशियाई विकास बैंक की 25 सालों की सहभागिता पूरी हुई है। इस अवसर पर पिछले 25 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में एडीबी के निवेश पर केन्द्रित पुस्तिका भी लॉन्च की गई।एडीबी और मध्यप्रदेश ने विकास के लिये परस्पर सहयोग को रेखांकित करने और भविष्य की रणनीति तय करने एक दिवसीय कार्यशाला में एडीबी और राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एडीबी की सुश्री ओका ने कहा कि मध्यप्रदेश ने एडीबी के वित्तीय सहयोग का विकास परियोजनाओं को क्रियान्वन में लोकहित के लिये सकारात्मक उपयोग किया। भविष्य में इस सहयोग को जारी रखा जायेगा। सहयोग के नये क्षेत्र सामने आये हैं। एग्री-बिजनेस, स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, मानव संसाधन को कौशल सम्पन्न बनाने और सामाजिक अधो-संरचना एवं प्रबंधन को मजबूत करने जैसे नये क्षेत्रों में सहयोग की आवश्यकता होगी। मध्यप्रदेश और एडीबी की पार्टनरशिप 1919 में शुरू हुई थी। आज ऊर्जा, परिवहन, शहरी विकास, कृषि, आजीविका निर्माण, जल प्रबंधन और सिंचाई प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एडीबी की 6 बिलियन यूएस डालर की मदद है। सडक निर्माण एवं सुधार में 3 बिलियन यूएस डालर से 23 हजार किमी सडकों का सुधार हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में 1.72 बिलियन यूएस डालर, 140 शहरों के विकास में 800 मिलियन डालर का सहयोग मिला। इससे जल आपूर्ति, सीवरेज, स्वच्छता, वर्षा जल निकासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार में मदद मिली। इसके अलावा 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर में सिंचाई के लिये 375 मिलियन यूएस डालर का सहयोग मिला। युवाओं को तकनीकी कौशल सम्पन्न बनाने में ग्लोबल स्किल पार्क भोपाल के लिए एडीबी ने 150 मिलियन यूएस डालर का सहयोग दिया है। एडीबी, राज्य की अर्थ-व्यवस्था को और ज्यादा प्रतियोगी बनाने के लिए अध्ययन भी कर रहा है, जिसमें उपयुक्त नीतियों के निर्माण और निवेश बढाकर इसे मजबूत बनाया जा सकता है। इस अध्ययन के आधार पर एडीबी राज्य के अधिकारियों के साथ नये क्षेत्रों में सहभागिता की संभावनाओं की तलाश करेगा। एडीबी ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में सुधार करने में भरपूर सहयोग दिया है। इससे ऊर्जा क्षमता में बढोतरी हुई। इस क्षेत्र में वर्ष 2007 से ही एडीबी सहयोग कर रहा है। वर्ष 2012 में ट्रांसमिशन हानि में कमी आना शुरू हो गई थी। आज बिजली प्रदाय निर्बाध रूप से जारी है। अब एडीबी ने नवकरणीय ऊर्जा संरक्षण और उपयोग एवं जलवायु परिवर्तन के खतरों में कमी लाने ग्रीन ईकानामी को बढाने में भी सहयोग के लिए कदम बढाया है। परिवहन के क्षेत्र में सडकों के सुधार और मरम्मत में 2.16 बिलियन यूएस डालर से सडकों का विकास हो रहा है। लोक संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम में एडीबी की मंशा है कि राज्य के साथ 25 सालों की लंबी पार्टनरशिप के चलते प्रदेश में जो परिसम्पतियों का निर्माण हो गया है उनका संचालन आगे जारी रखने के संबंध में भी एडीबी ने सहयोग के लिये कदम बढाया है। इसके अलावा भविष्य की जरूरत के अनुसार मानव संसाधन तैयार करने में भी मध्यप्रदेश को सहयोग देगा। इनमें स्कूल शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और नर्सिंग प्रशिक्षण के नये क्षेत्र हैं। कार्यशाला में केन्द्रीय आर्थिक मामलों विभाग की संयुक्त सचिव सुश्री जूही मुखर्जी, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक वर्णवाल और प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एडीबी के श्री निलय मितास ने किया।

नप नारायणगढ़ द्वारा ब्लैक स्पाट रिमूवल और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया

नारायणगढ़, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद नारायणगढ द्वारा, स्वच्छता ही सेवा राष्ट्रव्यापी अभियान 'स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता' दिनाँक 17 सितंबर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 चलाया जा रहा है। शासन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रमोद जी जैन से प्राप्त निर्देशानुसार दिनांक 23 सितम्बर 2024 को वार्ड नंबर 12 में स्थित शासकीय कन्या शाला उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्थित ब्लैक स्पॉट रिमूवल और सौंदर्यीकरण का अभियान श्रमदान करते हुए जनसहयोग से चलाया गया। अभियान में नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती ममता कुंवर जी चौहान, उपाध्यक्ष वीरेंद्र रुपरा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रमोद जैन, स्कूल प्राचार्य श्रीमती ज्योति पाटीदार, शिक्षकगण, छात्राएं, जनप्रतिनिधि एवं निकाय कर्मचारी मौजूद थे। अभियान में पधारे हुए नागरिकजनों को स्वच्छता और प्लास्टिक प्रतिबंध की शपथ दिलाई गई. आयोजित कार्यक्रम जीरो वेस्ट पर आधारित था।

वात्सल्य पब्लिक स्कूल द्वारा आज कैरियर फेस्ट

मंदसौर, 24 सितंबर गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय वात्सल्य पब्लिक स्कूल द्वारा एक महत्वपूर्ण करियर फेस्ट का आयोजन आज 25 सितंबर सांय 4 बजे किया जा रहा है, जिसमें लगभग 10 विश्वविद्यालयों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा और करियर विकल्पों के बारे में जागरूक करना है। यह कार्यक्रम सभी छात्रों और अभिभावकों के लिए खुला है। विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रियाओं और स्कॉलरशिप की जानकारी देंगे।इस अवसर पर छात्रों को अपने करियर से जुडे सवाल पूछने का मौका मिलेगा, साथ ही शिक्षा और करियर मार्गदर्शन की विशेषज्ञता का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। इस फेयर में 10 प्रमुख विश्वविद्यालयों और संस्थानों ने भाग मौजूद रहेंगे। जिनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त संस्थान शामिल हैं।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1225/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-20.09.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक पिपलिया स्टोन क्रेशर, कैलाश विहार, पुराने आरटीओ के सामने, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 21.08.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 25.10.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	वही	34/1	3.380 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25.10.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-16659/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

आफिस में कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है।

**** मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें ****

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001 Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक-67/2024 दिनांक- 24.09.2024

*****जाहिर सूचना *****

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा भारतसिंह पिता भेरुसिंह, जाति राजपूत, निवासी पटेला, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर से आवासीय भवन पंजी. के पृष्ठ क्रमांक 159 पर दर्ज होकर मकान जो ग्राम पटेला, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी 249392022ए1893703, दिनांक 31.08.2022 से मेरे पक्षकार सोनू पति भारतसिंह, जाति राजपूत निवासी ग्राम पटेला, तहसील दलौदा जिला मंदसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मंदसौर में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है- पूर्व में-रामसिंहजी का मकान, पश्चिम में-गोपालजी का मकान, उत्तर में-रास्ता कच्चा, दक्षिण में-स्वयं की भूमि। पैमाईश रकबा-1519.00 वर्गफीट या 141.11 वर्गमीटर।

उक्त संपत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in